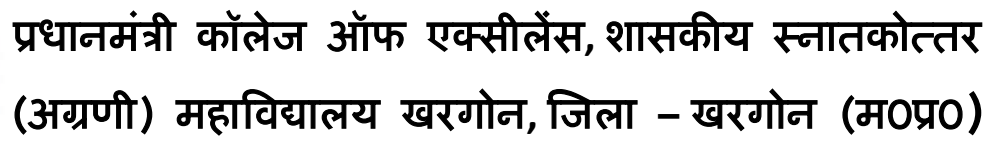


Phone no. +91-7282-241562

रिज्यूम में दिए गए जानकारी अच्छे से अध्ययन करें तथा हॉबी से संबंधित प्रश्नों के उत्तर भी तैयार करें।

कार्यशाला में महाविद्यालय के ग्रंथपाल श्री गोविंद यादव तथा विधि महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष प्रो. चंद्रभान त्रिवेदी ने भी अपने व्यक्तिगत अनुभव के आधार पर विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण सुझाव दिए और अपने अनुभव साझा किए। कार्यशाला का संचालन प्रो राजेश सिसोदिया द्वारा किया गया। कार्यशाला में प्रो निशांत दुबे, इंटरव्यू में भाग लेने वाले प्रतिभागी उम्मीदवार तथा अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्राचार्य
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
खरगोन



Phone no. +91-7282-241562

प्राचार्य
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
खरगोन

एमपीपीएससी असिस्टेंट प्रोफेसर इंटरव्यू की बताई बारीकियां



खरगोन @ पत्रिका. असिस्टेंट प्रोफेसर बनने का सपना देख रहे युवाओं के लिए इंटरव्यू एक अहम पड़ाव है। इसमें सफल होने के लिए सही मार्गदर्शन और तैयारी की जरूरत होती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए एम्पीएससी द्वारा आयोजित असिस्टेंट प्रोफेसर की परीक्षा के इंटरव्यू की तैयारी कर रहे उम्मीदवारों के लिए प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेस में कार्यशाला हुई।

मुख्य वक्ता डॉ. गणेश पाटिल ने इंटरव्यू दे रहे प्रतिभागियों को पूछे जाने वाले संभावित प्रश्नों उत्तर देने के तरीकों और आत्मविश्वास बनाए रखने के बारे में सुझाव दिए। डॉ. पाटिल ने बताया इंटरव्यू में उम्मीदवारों के ज्ञान के साथ उनके व्यक्तित्व, विचारों और दृष्टिकोण का आंकलन किया जाता है। उम्मीदवारों को न केवल अपने विषय का ज्ञान होना चाहिए, बल्कि उन्हें अपनी बात को प्रभावी ढंग से रखने की कला भी आनी चाहिए। उन्होंने उम्मीदवारों को इंटरव्यू के दौरान शांत रहने, आत्मविश्वास

इंटरव्यू में इन बातों का रखे ध्यान

- इंटरव्यू से पहले अपने विषय का गहन अध्ययन करें।

■ अपने विचारों को स्पष्ट और संक्षिप्त रूप से व्यक्त करें।

■ सकारात्मक दृष्टिकोण रखें,
आत्मविश्वास बनाए रखें।

- इंटरव्यू के दौरान विनम्र और शालीन रहें।

■ अपने व्यक्तिगत विवरण व रिज्यूम में दी गई जानकारी अच्छे से अध्ययन करें।

■ हॉबी से संबंधित प्रश्नों के उत्तर भी तैयार करें।

बनाए रखने और प्रश्नों को ध्यान से सुनने की सलाह दी। उन्होंने कहा किसी प्रश्न का उत्तर नहीं पता हो तो विनम्रतापूर्वक स्वीकार कर लेना चाहिए और अनुमान लगाने से बचना चाहिए।

11/02/2025 | khargon | Page : 3
Source : <https://epaper.patrika.com/>

फ़रवरी - 2025

लोकतंत्र उद्घोष

पृष्ठ - 4

एमपीपीएससी असिस्टेंट प्रोफेसर के इंटरव्यू के लिए मार्गदर्शन कार्यशाला का हुआ आयोजन

- લોકતંત્ર અદ્યોષ-અચોત

परिचित प्रोत्साहन करने का सपना देखे।
पूजाजी के लिए इन्टरव्यू एक आमण था।
है। इन्टरव्यू में सफलता प्राप्त करने
लिए सही माहौल और तैयारी की
आवश्यकता होती है। इसी बात को ध्या
में रखते हुए एम्प्लॉयर्स द्वारा आयोजित
अर्द्धदिनेश प्रतियोगिता की पहला के इन्टर
व्यू तीव्र कर रहे उम्मीदवारों के नि
प्रणामशील करिजों जैसा एम्प्लॉयर्स
खराबों में प्रभावित हो, शैल जोशी के
निर्देशन में एक कार्यपालिका का आयोजन
किया गया। कार्यपालिका के मुख्य उद्देश्य
हमारे पालन में इन्टरव्यू में देखे प्रतियोगिता
को महत्वपूर्ण मान्यताएं प्रदान किया
निर्देशन में इन्टरव्यू के दौरान पूरे जाने वा
सम्पन्न किया, उत्तर देने के तरीकों और
आत्मविश्वास बनाए रखने के बारे
महत्वपूर्ण सुझाव दिए। डॉ. पालन
जोशी के लिए इन्टरव्यू में उम्मीदवारों के
के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व, विचारों और
दृष्टिकोण को भी अवलोकन किया जाना है।



इसलिए, उम्मीदवाशों को न केवल आ
विषय का ज्ञान होना चाहिए, बल्कि उ
अपनी बात को प्रभावी ढंग से रखने व
कला भी अमी चाहिए। उन्होंने उम्मीदवा
को इंटरव्यू के दौरान शांत रहने,



अविश्रमवास बनाए रखने और प्रश्नों को ध्यान से सुनने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रश्न का उत्तर नहीं पता हो, तो निम्नानुसार एक स्टीकर पर लेना चाहिए और अनुमति लगाने से बचना चाहिए। साक्षात्कार बोर्ड द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तिगत विवरण जैसे नाम, जन्म स्थल से संबंधित प्रश्न पूछने की संभावना होती यदि पर अकार्यात्मक ज्ञान तथा शोध संबंधित ज्ञान के परीक्षण के लिए पाठ्यक्रम, शोध का निष्पत्त तथा शोध की प्रसंगिकता जैसे प्रश्न पूछे जा सकते हैं।



- हॉबी से संबंधित प्रश्नों के उत्तर भी तैयार करें।

कार्यवाही में महाविद्यालय के ग्रंथपाल गोविंद यादव तथा विधि महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष प्रो. संदतमान बिदेदी ने भी अपने व्यक्तिगत अनुभव के आधार पर विचारविमर्श को महत्वपूर्ण सुझाव दिए और अपने अनुभव साझा किए। कार्यवाही का संचालन प्रो. राजेश सिंसोदिया द्वारा किया गया। कार्यवाही में प्रो. निमित्त दुबे, डेप्युटी प्रिन्सिपल अथवा प्रो. प्रीतिश्री उमेश्वरार तथा अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम

एमपीपीएससी असिस्टेंट प्रोफेसर के इंटरव्यू के लिए मार्गदर्शन कार्यशाला का हुआ आयोजन

ज्ञान के साथ विचार व दृष्टिकोण का होता है आंकलन

नईदुनिया प्रतिनिधि, खरगोन-
असिस्टेंट प्रोफेसर बनने का सपना देख
रहे युवाओं के लिए इंटरव्यू एक अहम
पड़ाव होता है। इंटरव्यू में सफलता प्राप्त
करने के लिए सही मांगदार्शन प्रस्तुत
तेबारी को आवश्यक होता है। इसके
ध्यान में रखते हुए एमपीएससी द्वारा
आयोजित असिस्टेंट प्रोफेसर की परीक्षा
के इंटरव्यू को तैयारी कर रहे उम्मीदवारों
के लिए सोमवार को प्रधानमंत्री कलेज
ऑफ एक्सीलेंस खरगोन में प्राचार्य डा.
शैल जोशी के निदेशन में एक कार्यशाला
का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता डा. गणेश पाटिल ने इंटरव्यू दे रहे प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने इंटरव्यू के दौरान पूछे जाने वाले संभावित प्रश्नों, उत्तर देने के तरीकों और आत्मविश्वास बनाए रखने के बारे में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। पाटिल ने बताया कि इंटरव्यू में उम्मीदवारों के ज्ञान के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व, विचारों और दृष्टिकोण को



पीजी कालेज के सहायक प्राध्यापक डॉ. गणेश पाटिल ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव। • नईदुनिया

भी आंकलन किया जाता है। इसलिए उम्मीदवारों को न केवल अपने विषय का ज्ञान होना चाहिए, बल्कि उन अपनी बात को प्रभावी ढंग से रखने का कला भी जाननी चाहिए। उन्होंने उम्मीदवारों को इंटरव्यू के दौरान शरीर

रहने, आत्मश्रयस बनाए रखने और प्रश्नों को ध्यान से सुनने को सलह दी। उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रश्न का उत्तर नहीं पता हो, तो विभ्रमप्राप्त्यक स्यौक्यकर कर लेना चाहिए और अनुमान लगाने से बचना चाहिए। असुलभ

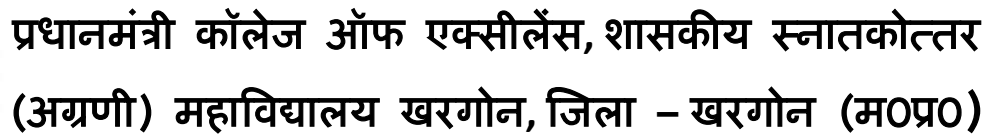
प्रासंगिकता जैसे प्रश्न पूछे जा सकते हैं। डा. पाटिल ने इंटरव्यू के लिए कुछ महत्वपूर्ण टिप्स भी दिए हैं। इसमें इंटरव्यू से पहले अपने विषय का गहन अध्ययन करें। अपने विचारों को स्पष्ट और संक्षिप्त रूप से व्यक्त करें।

समग्रतमक दृष्टिकोण रहें और आत्मविश्वास बनाए रहें। डररथ के दोन ओर और शालीन रहें। अपने व्यक्तिगत विवरण तथा रिश्तों में दिए गए जज्बाएँ अच्छे से अध्ययन करें। हाथों से संव्यक्ति प्रश्नों के उत्तर भी तैयार करें। कार्यशाला में भावविश्राल के ग्रंथसूच गाँवद्वि के विद्यार्थी तथा विधि महाविद्यालय के विद्यार्थी।

चंद्रबान प्रवेदी ने भी व्यक्तिगत अनुभव के आधार पर विद्यार्थी को महत्वपूर्ण सुझाव दिए और अनुभव साझा किया। संजयानन प्रो. राजेश सिंघाविका ने किया। कार्यशाला में प्रो निशत दुवे, डररथ में बाबा लेने वाले प्रतिभागी उम्मीदवार सहित अनुसंधान विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्राचार्य

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
खरगोन



Phone no. +91-7282-241562

[illegible]

एमपीपीएससी असिस्टेंट प्रोफेसर के इंटरव्यू के लिए मार्गदर्शन कार्यशाला का हुआ आयोजन

पीजी कॉलेज के सहायक प्राध्यापक डॉ. गणेश पाटिल ने दिए महत्वपूर्ण सलाह

असिस्टेंट प्रोफेसर बनने का सपना देख रहे युवाओं के लिए इंटरव्यू एक अहम पड़ाव होता है। इंटरव्यू में सफलता प्राप्त करने के लिए सही मार्गदर्शन और तैयारी की आवश्यकता होती है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए एमपीएससी द्वार आयोजित असिस्टेंट प्रोफेसर की परीक्षा के इंटरव्यू का तैयारी कर रहे उम्मीदवारों के लिए प्रधानमंत्री कतिज ऑफ़ एक्सीलेंस खरगोन में प्राचार्य डॉ. शैलेश जोशी के निर्देशन में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता डा. गणेश पाटिल ने इंटरव्यू दे रहे प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने इंटरव्यू के दौरान पूछे जाने वाले संभावित प्रश्नों, उत्तर देने के तरीकों और आत्मविश्वास बनाए रखने के बारे में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। डॉ. पाटिल ने बताया कि इंटरव्यू में उम्मीदवारों के ज्ञान के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व, विचारों और दृष्टिकोण का भी आकलन किया जाता है। इसलिए उम्मीदवारों को न केवल अपने विषय का ज्ञान होना चाहिए, बल्कि उन्हें अपनी बात को प्रभावी ढंग से रखने की कला भी आनी चाहिए। उन्होंने उम्मीदवारों को इंटरव्यू के दौरान शांत रहने, आत्मविश्वास बनाए रखने और प्रश्नों को ध्यान से सुनने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रश्न का उत्तर नहीं पता हो, तो विनम्रतापूर्वक स्वीकार कर लेना चाहिए और अनुमान लगाने से बचना चाहिए।

साक्षात्कार बोर्ड द्वारा विद्यार्थी के व्यक्तिगत विवरण जैसे नाम, जन्म स्थल से संबंधित प्रश्न पूछने की संभावना रहेगी। वहीं पर आकादमिक ज्ञान तथा शोध संबंधित ज्ञान के परीक्षण के लिए पाठ्यक्रम, शोध का विषय तथा शोध की प्रासंगिकता जैसे प्रश्न पूछे जा सकते हैं। डॉ. पाटिल ने इंटरव्यू के लिए कुछ महत्वपूर्ण टिप्स देते हुए कहा कि इंटरव्यू से पहले अपने विषय का गहन अध्ययन करें, अपने विचारों को स्पष्ट और संक्षिप्त रूप से व्यक्त करें, सकारात्मक दृष्टिकोण रखें और आत्मविश्वास बनाए रखें, इंटरव्यू के दौरान विनम्र और शांतिन रहें, अपने व्यक्तिगत विवरण तथा रिज्यूम में दिए गए जानकारी अच्छे से अध्ययन करें तथा हॉबी से संबंधित प्रश्नों के उत्तर भी तैयार करें।

कार्यशाला में महाविद्यालय के ग्रंथालय श्री गोविंद यादव तथा विधि महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष प्रो. चंद्रभानु त्रिवेदी ने भी अपने व्यक्तिगत अनुभव के आधार पर विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण सुझाव दिए और अपने अनुभव साझा किए। कार्यशाला का संचालन प्रो राजेश सिंसोदिया द्वारा किया गया। कार्यशाला में प्रो निशांत दुबे, इंटरब्यू में भाग लेने वाले प्रतिभागी उम्मीदवार तथा अन्य विद्यार्थी उपस्थित रहे।



प्राचार्य
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
खरगोन